

राम बोलो राम (राम धुनि) | By Mukesh Kumar |

राम जय जय राम
राम सिया राम
राम जय जय राम
राम सिया राम

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

हे दुख भंजन दशरथ नंदन
तोहे तुम्हें प्रणाम
हे दुख भंजन दशरथ नंदन
तोहे तुम्हें प्रणाम

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

राम नाम की लूट है लूट सके सो लूट
अंत काल पछताएंगा जब प्राण जाएंगे छूट

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

राम नाम रटते रहो धरे रहो मन धीर
कबहुँ तो पार लगाएंगे कृपा सिंधु रघुवीर

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

राम नाम मणि दीप धरु जीह देहरी द्वार
तुलसी भीतर बाहरो जो चाहसि उजियार

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

मेरा मुझमें कुछ नहीं जो कछु है सो तोर
तेरा तुझको सौंपते क्या लागत है मोर

बोलो राम बोलो राम

बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

राम अनंत अनंत गुण अमित कथा विस्तार
सुनि अचरज न आप नहीं जिनके विमल विचार

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

मृगनाभि कस्तूरी बसे भटकत जंगल होय
राम बसत सबके हृदय पर समझे न कोई

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

राम नाम रटते रहो जब लग घट में प्राण
कबहुँ तो दीन दयाल के भनक पड़ेगी कान

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

राम नाम के लेते ही सकल पाप कट जाए
जैसे रवि के उदय से अंधकार मिट जाए

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

तेरे हृदय में राम है ताहि न देखा जाए
ताको तो सब देखिए जब दिल की दुविधा जाए

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे

राम जय जय राम
राम सिया राम
राम जय जय राम
राम सिया राम

बोलो राम बोलो राम
बोलो राम कृष्ण हरे हरे
बोलो राम बोलो श्याम

बोलो राम कृष्ण हरे हरे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a7%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%bf-by-mukesh-kumar/>